केंद्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग

कक्षा-10वीं मासिक परीक्षा- अगस्त माह - 2025 अंक - 30

विषय हिंदी - उत्तरमाला सेट 1

उत्तर-1- अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर 7

(1) (ग)

(2) (ग)

(3) (क)

(4) भारत के ऋषि-मुनि जानते थे कि प्रकृति जीवन का स्रोत है और पर्यावरण के समृद्ध और स्वस्थ होने से ही हमारा जीवन भी समृद्ध और सुखी होता है। वे प्रकृति की दैवी शक्ति के रूप में उपासना करते थे और उसे 'परमेश्वरी' भी कहते थे। उन्होंने पर्यावरण पर बहुत गहरा चिंतन किया। जो कुछ पर्यावरण के लिए हानिकारक था, उसे आसुरी प्रवृत्ति कहा और जो हितकर था उसे दैवी प्रवृत्ति माना।

(5) पर्यावरण की दृष्टि से वृक्ष को परम रक्षक और मित्र बताया गया है। यह हमें अमृत प्रदान करता है, दूषित वायु को स्वयं ग्रहण करके हमें प्राणवायु देता है, मरुस्थल का नियंत्रक होता है, नदियों की बाढ़ को रोकता है और जलवायु को स्वच्छ बनाता है |

उत्तर-2 - अलंकार 4

I) इस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है।

II) इन काव्य पंक्तियों में अतिशयोक्ति अलंकार है।

III) मानवीकरण अलंकार |

IV) उपयुक्त उदहारण पर उचित अंक दिए जाये |

उत्तर 3 – पठित पाठ्यपुस्तक 10

1) लेखक का मानना है कि बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है अर्थात विचार, घटना और पात्र के बिना कहानी नहीं लिखी जा सकती है। मैं लेखक के इन विचारों से पूर्णतया सहमत हूँ। वास्तव में कहानी किसी घटना विशेष का वर्णन ही तो है। इसका कारण क्या था, कब घटी, परिणाम क्या रहा तथा इस घटना से कौन-कौन प्रभावित हुए आदि का वर्णन ही कहमनी है। अतः किसी कहानी के लिए विचार, घटना और पात्र बहुत ही आवश्यक हैं।|

2) 'लखनवी अंदाज़' पाठ में, नवाब साहब के क्रियाकलापों से उनकी दिखावटी और बनावटी जीवनशैली का परिचय मिलता है। वे अपनी नवाबी शान और रईसी का दिखावा करते हैं, जो वास्तविकता से परे है। आज की बदलती परिस्थितियों में, इस तरह की जीवनशैली का निर्वाह संभव नहीं है, क्योंकि यह दिखावा और दिखावटीपन समाज में स्वीकार्य नहीं है।

3) हाँ, सनक का सकारात्मक रूप भी हो सकता है। सनक का अर्थ है धुन का पक्का होना। **लगन,** मेहनत तथा ईमानदारी से किसी काम को पूरा करने की ललक ही सकारात्मक सनक का रूप है।

4) "उत्साह" कविता में, बादलों को नवजीवन वाले कहा गया है। कवि ने बादलों को यह उपाधि इसलिए दी है क्योंकि वे वर्षा करके धरती को नया जीवन देते हैं, मुरझाई हुई वनस्पतियों को हरा-भरा करते हैं और गर्मी से राहत दिलाते हैं. बादल, वर्षा के माध्यम से, धरती पर जीवन का संचार करते हैं |

5) प्रकृति अपने पूरे यौवन पर होती है। यह समय शीत व ग्रीष्म ऋतु का संधिकाल होता है। फूलों से लदी वृक्षों की डालियाँ कोयल का कुहकना, शीतल मंद सुगंधित पवन का प्रवाहित होना, पक्षियों का कलरव, पतझड़ में ढूँठ हुए पेड़ों पर फिर से नव पल्लवों का आगमन और चारों ओर फैली फूलों की खुशबू मन को आनंद से भर देती है।

- 6) कविता में बादल कई अर्थों की ओर संकेत करता है, जिनमें मुख्य रूप से वर्षा, उत्साह, क्रांति, और जीवनदायिनी शक्ति शामिल हैं। बादल परिवर्तन और नवीनीकरण का भी प्रतीक हैं, जो जीवन में निरंतर बदलाव का संकेत देते हैं।

संक्षेप में, कविता में बादल जल, उत्साह, क्रांति, और जीवन के नवीनीकरण का प्रतीक है।

उत्तर - 4 कृतिका **4**

"माता का आँचल" शीर्षक की सार्थकता "माता का आँचल" पाठ में निहित है, विशेष रूप से उस घटना में जब भोलानाथ (लेखक) सांप से डरकर अपने पिता के पास न जाकर माँ के आँचल में छिप जाता है। यह घटना माँ के आंचल को मातृत्व, सुरक्षा और अभय का प्रतीक दर्शाती है। माँ का आंचल बच्चों के लिए एक सुरक्षित और प्रेमपूर्ण आश्रय होता है, जहाँ वे हर डर और संकट से सुरक्षित महसूस करते हैं।

अथवा

यह सत्य है कि आजकल के बच्चे कंप्यूटर पर गेम, वीडियो गेम, टेलीविज़न पर कार्टून देखते हुए अकेले समय बिताते हैं, परंतु भोलानाथ का समय साथियों के साथ खेलते हुए बीतता था। खेत में चिड़ियाँ उड़ाना हो या चूहे के बिल में पानी डालना या खेती करना, बारात निकालना आदि खेल ऐसे थे जिनमें बच्चों का एक साथ खेलना आवश्यक था। मैं मिलजुलकर खेलने को भावी जीवन के लिए उपयुक्त मानता हूँ, क्योंकि- इससे सामूहिकता की भावना मजबूत बनती है। इस प्रकार के खेलों से सहयोग की भावना विकसित होती है।

उत्तर - 5) पत्र 5

पत्र के प्रारूप के आधार पर लिखे गए पत्र का निरीक्षण कर परीक्षक विषय वस्तु ,विवरण, संक्षेपण आदि के आधार पर अंक दिए जाएं। (1+3+1)